वर्ष :: 33 अंक : 19
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

/mithilavarnan

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 05 फरवरी, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

सुस्ती ले डूबी 800 करोड़

लेट-लतीफी विकास पर भारी... योजनाएं पूरी करने में झारखंड सरकार शिथिल, केन्द्र ने नहीं दी दूसरी किस्त की राशि

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार, इसके अफसरों और सरकारी बाबुओं की लेट-लतीफी एक बार फिर विकास पर भारी दिखी। विकास के प्रति राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही का आलम इस कदर है कि वे योजनाओं समय पर पूरी नहीं कर पाते। उनकी शिथिलता की वजह से राज्य सरकार को केन्द्र सरकार की ओर से मिलने वाली 800 करोड़ रुपए की राशि नहीं मिल सकी।

15वें वित्त आयोग से साल 2022 के अंत में मिलने वाली करीब 800 करोड़ की राशि झारखंड नहीं ले पाया। इसकी बड़ी वजह झारखंड को मिली पहली किस्त की राशि का पूरी तरह से खर्च नहीं होना बताया जा रहा है। सारा समय फाइल इधर से उधर और टेंडर निकालने में ही बीत गया। फलस्वरूप, केंद्र ने राशि देने से इंकार कर दिया और पहले से मिली राशि को खर्च करने को कहा है। ऐसे में राज्य की लगभग 4400 ग्राम पंचायतों को राशि नहीं मिल पाई।

पिछले वित्तीय वर्ष की आधी राशि भी नहीं हो सकी खर्च

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15वें वित्त आयोग से पंचायतों के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में उपलब्ध 1123.497 करोड़ की राशि से अभी तक महज 450 करोड़ रुपए ही खर्च हो पाए हैं। यानि कुल आवंटन का आधा भी खर्च नहीं हो पाया। 15वें वित्त आयोग से अनटाइड और टाइड फंड से 374.700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे और पहले का फंड मिलाकर 1123.497 करोड़ रुपये ग्राम पंचायतों के पास पड़ा हुआ था।

अब भी पड़ी है 700 करोड़ रुपए की राशि

सूत्रों के अनुसार सभी जिलों को राशि खर्च करने के लिए ग्राम विकास डेवलपमेंट योजना से योजना चयन करके काम करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन स्थिति यह है कि इस वित्त वर्ष के लगभग 10 माह हो रहे हैं और 700 करोड़ रुपये की राशि पड़ी हुई है। पूरी राशि कम खर्च करने में जिला परिषद, प्रखंड व ग्राम पंचायत तीनों काफी सुस्त है। यह बात भी सामने आ रही है कि नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि पूर्व में स्वीकृत योजनाओं पर काम नहीं करा रहे हैं। ऐसे में योजना पड़ी हुई है।

बोकारो में 29 फीसदी राशि ही खर्च

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगढ़ जिला 9 प्रतिशत, पलामू 15 प्रतिशत, सरायकेला 28 प्रतिशत व बोकारो जिला 29 प्रतिशत सबसे कम खर्च करने वाले जिले हैं। इसके अलावा भी अधिकतर जिले 30 से 35 प्रतिशत ही राशि खर्च कर पाये हैं।

हरेक पंचायत को मिलते 15-20 लाख रुपए

जानकारों के अनुसार अगर राज्य सरकार पहली किस्त की राशि को समय पर खर्च कर पाती, तो दूसरी किस्त के तहत प्रत्येक पंचायत लगभग 15-20 लाख रुपये इससे मिलते। इससे निश्चय ही संबंधित पंचायतों में विकास के कई नए आयाम जुड़ते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अधिकारियों के अनुसार इस बार जलमीनार बनाने की योजना सबसे अधिक लेनी है, लेकिन इसकी स्थिति काफी खराब है। अधिकतर पंचायतों में इस पर सही से काम नहीं हुआ। टेंडर इत्यादि में ही अधिक समय बीत गया। सड़क-नाली इत्यादि की योजनाएं कम लेने की वजह से राशि खर्च नहीं हो सकी।

रक्षक सड़क हादसे में लोगों की जान बचाने के लिए डीपीएस बोकारो के रूपेश ने बनाया खास डिवाइस व एप

एक्सीडेंट होते ही एक किलोमीटर के दायरे के सभी अस्पतालों को मिल जाएगी सूचना और समय पर पहुंच सकेगी एंबुलेंस

- परिजनों और पुलिस को भी तत्काल हो जाएगा फोन, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के लिए प्रोजेक्ट का हुआ चयन

संवाददाता

बोकारो : भारत में सड़क दुर्घटना प्रमुख चुनौतियों में से एक है। भागम-भाग और रफ्तार की होड़ में हर साल अपने देश में लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत सड़क हादसे में होती है। इनमें लगभग 30% लोगों की मौत सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने के कारण हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने और सही समय पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो के 10वीं कक्षा के होनहार विद्यार्थी रूपेश कुमार ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन 'रक्षक' तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। इसके अलावा उक्त एप में रजिस्टर्ड आसपास के कार चालकों को भी लोकेशन व सूचना मिल जाएगी। इस नवाचार के लिए रूपेश का चयन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के लिए किया गया है। सरकार की ओर से अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई है।

कार की स्पीड और झटके के दबाव का पता लगाकर काम करता है सेंसर

रूपेश द्वारा बनाया गए डिवाइस में एमसीयू (माइक्रोकंट्रोलर यूनिट), सेंसर, जीपीएस, सिम कार्ड, एक्सीलरेशन डिटेक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जबकि, इससे जुड़े मोबाइल ऐप में वाहन चालक का नाम, घर का पता, ब्लड ग्रुप एवं परिजनों के **(शेष पेज- 7 पर)**

सड़क-सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

"रोड एक्सीडेंट में काफी लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। ऐसे में रूपेश द्वारा तैयार यंत्र काफी कारगर साबित हो सकता है। वाहन की रफ्तार नियंत्रित करने से लेकर समय पर एंबुलेंस पहुंचा पाने में यह सहायक है। रूपेश विद्यालय का मेधावी छात्र है और उसके द्वारा बनाया गया रोड सेफ्टी डिवाइस सड़क-सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी अहम है। इसके लिए उसका चयन इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के लिए किया गया है। यह विद्यालय परिवार के साथ-साथ पूरे बोकारो के लिए गौरव की बात है।

- डॉ. ए. एस. गंगवार, प्राचार्य, डीपीएस बोकारो।

- संपादकीय -

दिशाहीन होती आस्था

ज्ञान, विद्या, स्वर और बुद्धि की वह अधिष्ठात्री देवी सरस्वती, जिनके प्रति भारतीय सनातन संस्कृति में हमारी अगाध आस्था रही है। वह मां शारदे, जिनके समक्ष नतमस्तक होकर हम ज्ञान और सद्बुद्धि का वरदान मांगते आ रहे हैं, परंतु बदलते दौर के साथ सरस्वती पूजा के मायने कुछ और हो चले हैं और आस्था दिशाहीन और डीजे की धमक में दफन सी हो चुकी है। दरअसल, पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के रंग में सराबोर और तथाकथित अत्याधुनिकता के मद में मदहोश नवयुवकों ने आस्था के इस महोत्सव को आज केवल और केवल डीजे महोत्सव का रूप दे डाला है। ऐसे तथाकथित विद्यार्थियों के लिये सरस्वती पूजा का मतलब आस्था और श्रद्धा के लाइसेंस की आड़ में महज मौज-मस्ती, धूम-धड़ाका और अभद्रता तक ही सीमित होकर रह गया है। हालांकि, शत-प्रतिशत लोग ऐसे नहीं हैं। अभी भी कुछेक प्रतिशत लोग जरूर हैं, जिन्होंने आस्था के मूलस्वरूप और सरस्वती पूजनोत्सव का असल भाव सहेजकर रखा है, परंतु अधिकांश तौर पर तो यह डीजे पर्व ही बनकर रह गया है। जिस भारतीय समाज में नारी को देवी का स्वरूप माना गया है, उसी एक देवी के पूजनोत्सव पर इनके ऐसे कारनामे होते हैं कि देवी की मान-मर्यादा, चरित्र, इज्जत, सभी की ये तिलांजलि दे डालते हैं। पुराने दौर के लोग भी अपने बचपन में सरस्वती पूजा मनाया करते थे, लेकिन उस वक्त अश्लील गीतों के बजाय भजन व देशभक्ति गीत ही बजते थे। बड़े-बुजुर्ग आज के दौर की तथाकथित भक्ति बस सहन करने को विवश हैं। सरस्वती पूजा से 15-20 दिन पहले से ऐसे 'देवी-भक्तों" की रंगदारी स्टाइल में इनकी चंदा-तसीली शुरू हो जाती है। फिर मिल-जुलकर ये लोग जैसे-तैसे पंडाल बनाते हैं और दिखावे के लिये उसमें मां शारदे की प्रतिमा स्थापित कर भाड़े के पंडितजी से पूजन कराकर अपनी श्रद्धा की इतिश्री समझ लेते हैं। उसके बाद उनका मस्ती-टाइम शुरू हो जाता है। चंदा के जमा किये हुए पैसे से जमकर दारूबाजी, हुड़दंग और दिनभर व देररात तक अत्यधिक तेज आवाज में डीजे साउंड की धांय-पटक्का की धमक का दौर शुरू हो जाता है। एक दिन का यह अवसर अक्सरहां दो-तीन दिनों का डीजे महोत्सव के रूप में मनाता है और जिस जगह पर यह 'पूजा' होती है, वहां के लोगों की नींद स्वाभाविक रूप से उड़ जाती है। आलम यह होता है कि संभ्रांत लोग उन 'भक्तों" के ऐसे 'भजन' बाल-बच्चा परिवार सहित सुनने और एक-दो मिनट वहां खड़ा होने की स्थिति में नहीं होते। बस दूर से ही मां वीणापाणि को नमन किया और चल देते हैं। इन 'भक्तों" की असल 'देवी-भक्ति' की पराकाष्ठा तो मूर्ति-विसर्जन के दिन देखने को मिलती है। आम तौर पर दुर्गापूजा जैसे अवसरों पर जहां मां की प्रतिमा विसर्जित करते समय भावावेश में भक्त रो पड़ते हैं और अगले साल पुनः आने का निमंत्रण मां को देते हैं, वहीं सरस्वती पूजा पर इसके ठीक उलट स्थिति दिखती है। विसर्जन से कुछेक घंटा पहले से ही 'भक्त' दिन से ही शराब की बोतलें चढ़ा डालते हैं और एक से बढ़कर एक अभद्र और अश्लील गानों की धमाकेदार डीजे म्यूजिक बजाते हुए जमकर नाचते-गाते, गंदी हरकतें करते बढ़ते विसर्जन-स्थल की ओर चलते बनते हैं। ज्ञान-बुद्धि की देवी की जिस प्रतिमा को विसर्जित करने वे जाते हैं, उसी के सामने अपनी बची-खुची बुद्धि और अपने संस्कार को भी विसर्जित कर डालते हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि ये विसर्जन-यात्रा नहीं, बल्कि एक तरह से विद्या की अर्थी निकाल ले जाते हैं। अब तो आए दिन मारपीट और खून-खराबा भी आम बात हो चुके हैं। कुल मिलाकर, इस सरस्वती पूजा के पावन अवसर की इस दुर्दशा को दूर करने में सामाजिक चेतना की जरूरत है। न केवल समाज के लोगों को इसके खिलाफ मुखर होना होगा, बल्कि वैसे तथाकथित विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर नजर रखनी होगी कि उनकी 'भक्ति' की दिशा और दशा क्या है। यही उनके सफल जीवन की भी दशा-दिशा तय करेगी।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

तेजी से आकार ले रहा 'न्यू इंडिया'

- विनय कुमार -
वरिष्ठ पत्रकार
हिंदी सलाहकार समिति सदस्य ग्रामीण विकास मंत्रालय और उपभोक्ता मामले एवं खाद्य मंत्रालय, भारत सरकार।

दुनिया के जीडीपी में 85 फीसदी की भागीदारी निभाने वाले मुल्कों के शक्तिशाली समूह जी 20 की अध्यक्षता की कमान इस साल भारत ने संभाल ली है। जी-20 की अध्यक्षता का जिम्मा मिलना 130 करोड़ भारतवासियों के लिए बहुत बड़ा अवसर साबित होगा। विश्व के इस सबसे बड़े मंच की अध्यक्षता के कई मायने हैं। हाल के दिनों में भारत की स्थिति वैश्विक मंचों पर लगातार बुलंद होती नजर आई है। चाहे कोरोना काल की बात हो या फिर रुस यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की। मुसीबत के मौके पर भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की नीति के जरिए अपनी अलग छाप छोड़ी है। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया को भारत की एक अलग तस्वीर भी नजर आ रही है यानि यह साफ है कि न्यू इंडिया अब तेजी से आकार ले रहा है। ऐसे में जी-20 का यह वैश्विक मंच भारत के बढ़ते महत्व को दशार्ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना इस बात को भी दर्शाता है कि वैश्विक ताकतों के बीच इंडिया विश्वगुरु बनकर उभर रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के बाली में 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत को इसकी अध्यक्षता सौंपी गई।

अब हमारी यह जिम्मेदारी है कि दुनिया को बेहतर करके दिखाएं और अपनी सभ्यता, संस्कृति, परंपरा से दुनिया को परिचित कराते हुए अपने उच्च शैक्षिक मापदंडो के साथ सेवा परमोधर्मः की भावना को और मजबूत करें। अब ये हमारा दायित्व है कि हम अपनी हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति की बौद्धिकता और उसमें समाहित आधुनिकता से विश्व का ज्ञानवर्धन करें और इस अवसर को चुनौती के रुप में लेकर दुनिया को नये भारत से रुबरु कराएं। जी 20 की अध्यक्षता के तहत देश के चुनिंदा शहरों में अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन समेत तमाम मुद्दों पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इस बैठक के जरिए इन तमाम मुद्दों पर मंथन हो रहा है और इन क्षेत्रों में भारत की ताकत से दुनिया को रू-ब-रू भी कराया जा रहा है।

दुनिया के मंच पर अगर हाल के दिनों में भारत की उपलब्धि देखी जाए तो वो नये भारत की एक दमदार तस्वीर भी पेश कर रही है। भारत आज ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतना ही नहीं, आज अपना देश यूएन सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य तो बना ही है, बल्कि भारत के यूएन सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग का रुस और अमेरिका जैसे मुल्कों ने समर्थन भी किया है। भारत के पास जी -20 एससीओ की अध्यक्षता का जिम्मा भी है। यो कुछ वो झलक है जिससे आज भारत की धमक दुनिया के मंच पर गौरवशाली हो रही है। आज का भारत पिछले कुछ सालों के संघर्षों और बलिदानों से तपकर बाहर निकला है। अतीत में भारत को सोने की चिड़ियां कहा जाता था लेकिन वो दौर भी आया जब हमनें गुलामी भी झेली। कई दशकों तक अंधकार, गरीबी और भुखमरी का दंश भी झेला, लेकिन आज भारत इन सब पर भारी पड़ते हुए नये हिंदुस्तान की तस्वीर लिखने को बेताब है।

विकास की यात्रा नित नये आयाम गढ़ रहा है। भारत अपने विकास के साथ पर्यावरण और दुनिया के हितों का भी ख्याल रखता है, जी 20 जैसे मंचों से हम इसे और दमदार तरीके से दुनिया के सामने प्रस्तुत कर पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी कहते हैं कि जी20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़े अवसर के रूप में आई है। हमें इस अवसर का पूरा उपयोग करना चाहिए और वैश्विक भलाई एवं विश्व कल्याण पर ध्यान देना चाहिए। चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या सतत विकास, भारत के पास चुनौतियों से संबंधित समाधान हैं। हमने 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' की जो थीम दी है, वह हमारी 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ये वक्त इन तमाम प्रतिबद्धता को मिलकर दुनिया के सामने जगजाहिर करने का है, जो हमें जी 20 की अध्यक्षता के जरिए मिला है।

पास हुआ बजट वसंती

-'अमा बजट पास हो गया। अब मे अपने बेटे को ई-रिक्शा लेने बोलेगी। मेरे को चलाने आता तो मे खुद लेती। बरतन-भाड़ा सब छोड़ देती। घुर्रघुर्र गाड़ी चलाती, पैसा कमाती।'

-'तेरे को बजट का बड़ा नॉलेज है? किस पेपर में पढ़ी? पाँच घरों का काम निपट, तू पेपर भी पढ़ लेती है। धन्य है तू।'

-'अला अला (नहीं,नहीं) मिडम, पेपर नईं पढ़ता। रात्रि न्यूज देखता। प्रति मासा फाइफ केजी गेयुदी सिगुत्ता।' (प्रति मास पाँच किलो गेहूं मिलेगा।)

- 'मुझसे हिन्दी में बात कर। कन्नड नहीं आती मुझे।'

- 'मिडम मे हिन्दी बोलती आप कन्नड़ नईं। ओके ओके मिडम, मे बताती टूमोरो नईं आएगी। हसबेन्ड का पप्पा फिबर हो गया। किडनी फेल हो गया। मे गाँव जाती, टू डेज आफ्टर बंदी।'

- 'वसंता, फिर छुट्टी? दस दिन पहले ही तू अपने पति के पापा की बीमारी का बहाना बनाई थी...? पाँच दिन बाद उनके मरने की वजह से भी नहीं आई थी।'

- 'नो नो मिडम। हसबेन्ड का पप्पा नईं। पप्पा कासहोदरा।' झाड़ू देना छोड़ अजीब निगाहों से उसने घूरा मुझे। ऐसा लगा मानो उसकी चोरी पकड़ी गई हो। अपने को शांत कर वह पुनः बोली, 'अइओ, सोडु नईं बोलता, हसबेन्ड का चिकप्पा था। अंकल था, अंकल। डेड होने से मे गाँव गईं। छोड़ो मिडम, एस्टरडे मे आती, संडे को गाँव जाती। मिडम टी कुड़ी। फीवर आ गया।'

मेरी ओर से चेहरा घूमा, दुखी मन से वह अपने काम में व्यस्त हो गई। मैं भी मुस्कुराते हुए चाय बनाने लगी। मुझे अपराजिता की बात याद आ गई। - 'मॉम! आपने वसन्ता की छुट्टियों पर कभी ध्यान दिया? बीमार पड़े या मरे, सब ससुराल पक्ष के लोग होते हैं। मैके में किसी को, एक छींक भी नहीं आती और ससुराल वाले मरकर फिर दुबारा मरते हैं। बेचारा हसबेन्ड और उसका परिवार ह्वबोलते-बोलते हँस पड़ी थी वह। मैंने गौर किया तो अपराजिता की बात सही निकली।

- 'वसन्ता, तेरे मम्मी-पापा कैसे हैं? उनके पास जाती है या नहीं?'

- 'मिडम, क्या जाएगा? भाभी के सहोदरा का फ्रेंड मेरे से पैसा ठग लिया। फाइफ लाख। भूमि खरीदने बोला था। मे मिहिनत कर कमाई। सब डूब गया। पहले डेली आता था। पैसा लेने पर फोन नहीं उठाता।' सुबक उठी वह।

- 'तुम्हारे पास इतना पैसा आया कैसे? अपने पति के साथ थानेजाओ और रिपोर्ट लिखाओ। मैं चलूँ तुम्हारे साथ?'

- 'अला, अला मिडम। हसबेन्ड को नईं मालूम। मेरा चिट निकला था। आप नईं खेलता। और मिडम खेलता, जिसको किट्टी पार्टी बोलता। सहोदरा फ्रेंड वाइफ मेरा चिट निकाला था। फ्रेंड बोला हसबेन्ड को नईं बताना, भूमि खरीद के सरप्राइज देना। हसबेन्ड फ्रेंड को पसंद नईं करता। वह सुनेगा तो काट डालेगा।'

- 'तुम फ्रेंड की वाइफ से बात करो।'

- 'उसका वाइफ लड़ने वाला है। बोलेगा, उसके हसबेन्ड से मेरा संबंध है तभी मे पैसा दी। अब वह भी मेरे घर नहीं आती, न चिट निकालती।'

-'इतना बड़ा सदमा, फिर भी तू काम पर आ...?'

-'घर बैठने से काम नईं चलेगा। मेरे को पैसा चाहिए। अपना घर खरीदना है। मे मिहिनत से नहीं डरती। फिर मिहिनत करेगी और घर खरीद के रहेगी।' उसके चेहरे पर खोखली हंसी थी। उसकी हिम्मत देख मेरे अधरों पर दो पंक्तियाँ दौड़ गईं।

समेटे कुछ खट्टा, कुछ मीठा पास हुआ बजट वसंती।
वैरी करें व्यंग्य, चली अलहड़ गरीबी, रोती-हँसती।

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बेंगलुरू, मो.- 8618093357

जन-गण-मन... 74वें गणतंत्र दिवस की रही धूम

सामूहिक प्रयास से करें बेहतर भविष्य-निर्माण : अमरेंदु

संवाददाता

बोकारो : 74वां गणतंत्र दिवस बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जगह-जगह राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया गया और लोगों ने देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो तिरंगे को सलामी दी। विभिन्न सरकारी, गैरसरकारी और स्वयंसेवी संगठनों की ओर से इस अवसर पर समारोह आयोजित किए गए। बोकारो स्टील प्लांट द्वारा स्थानीय मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश, अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. रंगानी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एवं अतिरिक्त प्रभार अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) अमिताभ श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (माइंस) जे दासगुप्ता, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सीआर महापात्रा, महाप्रबंधकगण, उप महानिरीक्षक (सीआइएसएफ) एस. राय, महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी, संयंत्र के अन्य वरीय अधिकारी, बीएसएल द्वारा संचालित ज्ञान ज्योति योजना के तहत अध्यनरत बिरहोर बच्चे, अन्य गणमान्य अतिथि तथा नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। श्री प्रकाश ने स्टेडियम में राष्ट्र ध्वज फहराया तथा परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली।

इस दौरान उनके साथ उप महानिरीक्षक (सीआइएसएफ) एस. राय भी उपस्थित थे। परेड में सीआइएसएफ एवं बीएसएल सुरक्षा विभाग के जवान, सीआइएसएफ के अग्निशमन सेवाएं की टुकडी तथा एनसीसी कैडेट्स शामिल थे। अपने संबोधन में अमरेन्दु प्रकाश ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी तथा सामूहिक प्रयास द्वारा एक बेहतर एवं उज्जवल भविष्य के निर्माण का संदेश दिया। समारोह के दौरान श्री प्रकाश ने सीआईएसएफ, बीएसएल के सुरक्षा विभाग के 61 कर्मियों को उनके उत्कृष्ट सेवा के लिये प्रशस्ति पत्र देकर तथा बीएसएल के 20 कर्मियों को निदेशक प्रभारी फॉर बेस्ट शिफ्ट इंचार्ज, 7 कर्मियों को अम्बेडकर अवार्ड तथा 36 कर्मियों को इम्प्लेमेंटर एंड सजेस्टर अवार्ड से सम्मानित किया।

इस क्रम में स्कूली बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में बीएसएल सुरक्षा अभियंत्रण विभाग की ओर से झांकी तथा सीआइएसएफ के जवानों का ड्रिल एवं डॉग शो की आकर्षक प्रस्तुति पेश की गयी।

डीपीएस चास में गणतंत्र दिवस व सरस्वती पूजनोत्सव आयोजित

दिल्ली पब्लिक स्कूल चास, बोकारो में देश के 74वें गणतंत्र दिवस और विद्या की देवी माँ सरस्वती का पूजन-अर्चन हर्षोल्लास से आयोजित हुआ। इस अवसर झंडोत्तोलन विद्यालय की चीफ मेंटर-डॉ. हेमलता एस मोहन ने किया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाचार्या-दीपाली भुस्कुटे, डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश कुमार अग्रवाल सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।

दो साल बाद लौटी रौनक, झांकी के साथ प्रशासन ने मनाया गणतंत्र दिवस

सेक्टर -12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में प्रशासनिक गणतंत्र दिवस समारोह की रौनक दो साल के बाद लौटी। कोरोनाकाल के बाद 11 प्लाटूनों ने परेड प्रस्तुत की तथा 18 विभागों की झांकी निकाली गई। इस मौके पर राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो ने झंडोत्तोलन किया और राष्ट्रीय केतन को सलामी दी। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में बोकारो जिला ने बेहतर काम किया है, जिला प्रशासन इसे आगे भी जारी रखें। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर करने की बात कही। उन्होंने जिला वासियों को आश्वस्त किया कि बोकारो में मेडिकल कॉलेज की स्थापना होगी। वह मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर बात करेंगे। उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के बेहतर काम की सराहना की। मौके पर डीआईजी (कोयला प्रक्षेत्र) मयूर पटेल, डीआईजी सीआरपीएफ डी.पी. चौधरी, डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी चंदन कुमार झा, डीडीसी कीर्तिश्री जी, सीआरपीएफ कमांडेंट कमलेंद्र प्रताप सिंह, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी जेम्स सुरीन, डीसी के ओएसडी के विवेक सुमन आदि मौजूद रहे।

शिथिलता उपायुक्त ने जताई नाराजगी, अफसरों को अपेक्षा के अनुरूप काम में तेजी लाने व रिपोर्ट सुपुर्द करने का दिया सख्त निर्देश

एनएच-निर्माण के भू-अर्जन में मुआवजा भुगतान की रफ्तार धीमी

संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त (डीसी) कुलदीप चौधरी ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग फेज वन एवं फेज टू के तहत चल रहे कार्य एवं ग्रामीण कार्य विभाग के तहत सड़क-निर्माण को लेकर हो रहे भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित रैयतों के मुआवजा भुगतान की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। जिला भू अर्जन कार्यालय के कार्यों के निष्पादन में धीमी गति पर उपायुक्त ने असंतोष व्यक्त किया। दिसंबर माह में हुई बैठक में दिए निर्देश के बाद प्रगति संतोषजनक नहीं दिखा। उपायुक्त ने अपर समाहर्ता सादात अनवर को जिला भू अर्जन से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग करते हुए कार्य प्रगति में तेजी लाने का दिया निर्देश।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राज मार्ग फोर लेन (फेज वन) जैनामोड़ से गोला-ओरमांझी-रांची मार्ग के तहत जिला अंतर्गत आने वाली भूमि (कसमार,पेटरवार एवं जरीडीह अंचल क्षेत्र) का

अधिग्रहण को लेकर अब तक की गई कार्रवाई, चिह्नित रैयतों के बीच मुआवजा राशि भुगतान की प्रगति, शिविर के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित अंचलों के अंचलाधिकारियों से भी मुआवजा भुगतान में आ रही समस्या को जाना और उसके निराकरण को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

वहीं, राष्ट्रीय राज मार्ग (फेज टू) वाराणसी-कोलकाता के तहत जिला अंतर्गत आने वाली भूमि का भूमि अधिग्रहण कार्य को शुरू करने को लेकर अब तक की गई कार्रवाई की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने रैयतों को चिन्हित कर अग्रेतर कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने भूमि अधिग्रहण से संबंधित विवादित मामलों में सुनवाई के बाद मामलों का निष्पादन करने को कहा, जो मामले सुनवाई के क्रम में निष्पादित नहीं हो रहे हैं या मामला न्यायालय में है वैसे मामलों को न्यायालय को समर्पित करने को कहा। उन्होंने चिह्नित लगभग 330 हेक्टेयर भूमि की प्रकृति (रैयती/वन/सरकारी) को अलग-अलग करने की बात कही। उपायुक्त ने अपर समाहर्ता को संबंधित अंचल क्षेत्र में भू-अर्जन से संबंधित कार्यों के लिए अंचलाधिकारियों को नोडल पदाधिकारी बनाने एवं कार्य में तेजी लाने को लेकर पत्र जारी करने को कहा।

बैठक में उपायुक्त ने ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) के तहत जिले के विभिन्न अंचलों में चल रहे सड़क-निर्माण एवं प्रस्तावित सड़क निर्माण जैसे - बहादुरपुर-कसमार मार्ग, बरलंगा कसमार मार्ग समेत अन्य सड़कों से संबंधित भूमि अधिग्रहण, रैयतों के बीच मुआवजा राशि वितरण को लेकर किए गए कार्यों की समीक्षा की। संबंधित अंचलाधिकारियों को मुआवजा राशि वितरण में तेजी लाने को कहा। डीसी ने सभी कार्यों में अपेक्षा के अनुरूप प्रगति लाने को कहा। उपायुक्त ने चंदनकियारी अंचल में प्रस्तावित मेगा फूड पार्क को लेकर भूमि अधिग्रहण पर भी चर्चा की और जरूरी निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता के अलावा, भूमि उप समाहर्ता विजेंद्र कुमार, कसमार अंचलाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जरीडीह अंचलाधिकारी नरेश कुमार, पेटरवार अंचलाधिकारी ब्रजेश श्रीवास्तव, चंदनकियारी अंचलाधिकारी रामा रविदास, गोमिया अंचलाधिकारी संदीप कुमार, राष्ट्रीय राज्य मार्ग फेज वन/फेज टू से संबंधित अभियंता प्रतिनिधि, ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता आदि मौजूद रहे।

आम बजट को हर वर्ग के लोगों ने सराहा, कहा - जनता का बजट

संभावनाओं के खुलेंगे व्यापक द्वार : डॉ. लंबोदर

संवाददाता

बोकारो : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट को बोकारो में विभिन्न वर्ग के लोगों ने सराहनीय बताया है।

आमलोग इसे जहां आम जनता का बजट बता रहे हैं, वहीं राजनीति, शिक्षा और व्यवसाय से संबंधित लोगों ने भी इसे संतोषप्रद बताया है। वहीं, कुछ लोग इसमें रह गईं कमियों को भी गिना रहे हैं। गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने लोकसभा में पेश किए गए वर्ष 2023-24 के आम बजट की सराहना की है और कहा है कि इस बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। बजट में विशेषकर मध्यमवर्ग व नौकरीपेशा वर्ग के लिए राहत की घोषणा की गई है। बजट में मध्यम वर्ग की तकलीफों को समझकर आयकर में राहत दी गई है। लोगों के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखा गया है। कृषि क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। बजट में किसान व जनजाति समुदाय का भी ध्यान रखा गया है। युवा, महिला व वरिष्ठ नागरिकों को भी राहत दी गई है। इस बजट से हर वर्ग की शक्ति बढ़ेगी, नई मांग का निर्माण होगा और अर्थव्यवस्था गतिशील होगी। साथ ही साथ यह बजट संभावनाओं का व्यापक द्वार खोलने वाला है।

टैक्स में राहत, पर जन-स्वावलंबन की कमी : संजय बैद

बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संरक्षक संजय बैद ने कहा कि यह आम बजट बेहतर है। टैक्स स्लैब में राहत दी गई है। कृषि क्षेत्र और एमएसएमई को पैकेज देने, शिक्षा, रेलवे एवं हवाई यात्रा क्षेत्र के अलावा आधारभूत संरचना का बजट बढ़ाने की घोषणा भी सुकून देने वाली है, पर बजट में पेट्रोल और डीजल को अभी भी जीएसटी के दायरे में नहीं लाया गया तथा जीएसटी मैं सरलीकरण की जरूरत भी पूरी नहीं की गई। मुफ्त अनाज की जगह लोगों को स्वावलंबी बनाने पर ध्यान देना चाहिए था।

चुनावी है केंद्र सरकार का बजट : ब्रजकिशोर

बोकारो थर्मल : भाकपा बेरमो अंचल सचिव ब्रजकिशोर सिंह ने केंद्र सरकार की वित्त मंत्री द्वारा पेश किये गये आम बजट को पूरी तरह से चुनावी एवं आंकड़ों का खेल, लोक लुभावन करार देते हुए कहा कि बजट से महंगाई, बेरोजगारी बढ़ेगी। कहा कि पहले से ही देश की आम जनता महंगाई का दंश झेल रही है। लोगों की क्रय क्षमता समाप्त हो चुकी है। बेतहाशा बढ़ती महंगाई को कम करने के लिये केंद्र सरकार के पास कोई ठोस नीति नहीं है। कॉरपोरेट घराने आम जनता की गाढ़ी कमाई को दोनों हाथों से लूट रहे हैं। पूंजीपतियों के लाखों करोड़ों लोन माफ हो रहे हैं और गरीब लोगों से बैंक जबरन वसूली कर रही है।

शिक्षा-क्षेत्र में होंगे सकारात्मक बदलाव : डॉ. गंगवार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बुधवार को पेश किए आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने संतोष एवं हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का बजट शिक्षा के क्षेत्र के लिए काफी शानदार है। इससे कई मायनों में शिक्षा जगत में कई सकारात्मक परिवर्तन होंगे और शैक्षणिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। विशेषकर, शिक्षा का बजट 1.04 लाख करोड़ से बढ़ाकर 1.12 लाख करोड़ किया जाना, 100 अत्याधुनिक प्रयोगशाला की शुरूआत, डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना, शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा अन्य कई क्षेत्रों में अन्वेषण एवं कौशल विकास पर फोकस एक सकारात्मक एवं उत्साहवर्द्धक कदम है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री बधाई के पात्र हैं।

नए भारत की नींव रखेगा बजट : सोमनाथ

छात्र नेता सोमनाथ नायक ने कहा कि 2023-24 का बजट गरीब, किसान, नौजवान, मध्यम वर्ग, व्यापारी, दलित, वनवासी, महिला समेत हर वर्ग के लिए लाभकारी साबित होगा। इनकम टैक्स से छूट की सीमा को 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख तक की सालाना आमदनी तक करने से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। बजट गरीब, किसान, नौजवान, मध्यम वर्ग, व्यापारी, दलित, वनवासी, महिला समेत हर वर्ग के लिए लाभकारी साबित होगा। इनकम टैक्स से छूट की सीमा को 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख तक की सालाना आमदनी तक करने से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। यह एक दूरदर्शी बजट है, जो अमृत काल में एक नए भारत की नींव रखेगा और 130 करोड़ भारतवासियों का जीवन बेहतर और खुशहाल करेगा एवं जो भारत की अर्थव्यवस्था का स्केल बदलने वाला बजट साबित होगा। यह बजट सम्पूर्ण देशवासियों की उम्मीदों को प्रतिबिंबित करता है। वर्ष 2014 की तुलना में इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश पर 400 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि की गई है।

नई जिम्मेदारी सुशांत सन्निग्रही का मेजिया तबादला, डीजीएम नीरज को भी विदाई

एनके चौधरी को बीटीपीएस की कमान

संवाददाता

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल पावर प्लांट (बीटीपीएस) की कमान नये एचओपी (परियोजना प्रधान) नंद किशोर चौधरी ने संभाल ली है। उन्होंने बीते दिनों पदभार ग्रहण कर लिया। वह बोकारो थर्मल के पूर्व डीवीसी कोडरमा में एचओपी के पद पर कार्यरत थे। उल्लेखनीय है कि बोकारो थर्मल के एचओपी सुशांत सन्निग्रही का डीवीसी मेजिया तबादला हो गया है। इसके बाद एनके चौधरी की पदस्थापना की गयी है। एनके चौधरी इसके पूर्व बोकारो थर्मल में डिप्टी चीफ इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

बोकारो थर्मल का कार्यकाल रहेगा हमेशा याद : सिन्हा

डीवीसी बोकारो थर्मल के अपर निदेशक सह डीजीएम नीरज सिन्हा को पावर प्लांट स्थित एचआर विभाग के कर्मियों ने तबादले के बाद रिलीज होने पर भावभीनी विदाई दी। मौके पर मौजूद सभी कर्मियों ने उनके साथ बिताये पलों एवं उनकी कार्यप्रणाली को साझा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल वे हमेशा याद करना चाहेंगे। डीजीएम ने भी कार्य में उनके परस्पर सहयोग एवं मिलकर कार्य करने को लेकर आभार प्रकट किया। मौके पर भू-संपदा पदाधिकारी आरपी रजक, प्रशासनिक पदाधिकारी राजकुमार रजक, वरीय प्रबंधक (वित्त) सुशील कुमार, प्रबंधक (वित्त) अभिजीत गराय, संयुक्त निदेशक एचआर रोहित कुमार, उपनिदेशक (सतर्कता) तारीक सईद, प्रबंधक (वित्त) एमके चौधरी, प्रबंधक (वित्त) मुकेश कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मो. शाहिद इकराम ने किया। दूसरी ओर, डीवीसी के जमा दो विद्यालय में एचओपी एनके चौधरी की मौजूदगी में स्कूल के प्राचार्य धनंजय कुमार एवं अन्य शिक्षकों ने डीजीएम को विदाई दी। विदित हो कि डीजीएम नीरज सिन्हा का तबादला मेजिया कर दिया गया है। बोकारो थर्मल के डीजीएम प्रशासन सीएसआर के डीजीएम बी. जी. होल्कर को बनाया गया है।

हफ्ते की हलचल

बोकारो में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

बोकारो : चास-बोकारो में विद्या व संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम से मनाई गई। इसी कड़ी में सेक्टर-3बी स्थित वसुंधरा गली में वसुंधरा परिवार के तत्वावधान में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मुहल्ले के बच्चों और वसुंधरा गली के सभी सदस्यों ने मिल-जुलकर आपसी सहयोग से पूजा सफल बनाई। विधिवत मां शारदे की प्रतिमा स्थापित कर बच्चों ने श्रद्धाभाव से देवी सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजन किया। उनके सामने अपनी किताबें, कलम और संगीत के साज रखकर पूजा की। इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक स्पधाओं का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने गीत-संगीत और नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शुक्रवार शाम स्थानीय टू-टैंक गार्डेन में प्रतिमा-विसर्जन किया गया। अगले वर्ष मां शारदे को जल्दी आने का न्योता देकर उन्हें विदाई दी गई।

विद्यार्थियों ने सीखे तनावमुक्त परीक्षा के गुर

बोकारो : स्कूली बच्चों में परीक्षा के तनाव और भय को दूर कर उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से शुरू हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से आयोजित परीक्षा पे पर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुक्रवार को सेक्टर-4 स्थित केंन्द्रीय विद्यालय- 1 में किया गया। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में हुए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समूचे देश में किया गया। के. वि. -1 के प्रांगण में भी करीब 900 छात्रों ने सभागार में इस कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का आनंद उठाया। विद्यालय के प्राचार्य ललित मोहन बिष्ट के अनुसार बच्चों ने पीएम मोदी की बातों को ध्यान से सुना और बिना किसी डर और तनाव के परीक्षा देने के टिप्स जाने। प्रधानमंत्री ने बच्चों को बताया कि परीक्षा का भय मन से निकाल कर ही परीक्षा में शामिल होने पर अपना 100% प्रदान किया जा सकता है। परीक्षा का अज्ञात सा डर छात्र को वास्तविक प्रदर्शन करने से रोक लेता है।

'फुलवारी' के जरिए बच्चों ने दिखाया अपना प्रकृति-प्रेम

बोकारो : डीपीएस, बोकारो में फुलवारी नामक पुष्प-वनस्पति प्रदर्शनी सह-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय की सीनियर व प्राइमरी इकाई में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपने प्रकृति-प्रेम का परिचय दिया। रंग-बिरंगे गमलों में सुंदर साज-सज्जा के साथ उन्होंने अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। औषधीय पौधे, फूलों वाले पौधे, सजावटी पौधे, बोनसाई, सब्जी, मौसमी फल सहित विभिन्न कैटेगरी में बच्चों ने 2000 से अधिक वानस्पतिक प्रजातियों की प्रदर्शनी दिखाई। विद्यालय के गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार ने किया। उन्होंने बारी-बारी से हरेक कैटेगरी में लगाए गए प्रदर्शों का अवलोकन किया और बच्चों की प्रस्तुतियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। डीपीएस बोकारो द्वारा उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ बच्चों को प्रकृति से जोड़े रखने के इस प्रयास की उन्होंने सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. गंगवार कहा कि फुलवारी का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति की रक्षा, उसके पोषण और पर्यावरण-संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है। विद्यालय हर साल यह आयोजन करता है।

डाककर्मियों ने पीएलआई दिवस मनाया, बताए फायदे

बोकारो : नगर के सेक्टर-2 स्थित प्रधान डाकघर में डाककर्मियों ने पीएलआई (डाक जीवन बीमा) दिवस मनाया। उपस्थित लोगों ने केक काटकर इस दिवस को मनाया तथा बीमा के क्षेत्र में डाक विभाग की गरिमा को और धनी बनाने का संकल्प लिया। सहायक डाक अधीक्षक शंकर कुजूर ने कहा कि आज के ही दिन 01 फरवरी 1884 को डाक जीवन बीमा योजना की शुरूआत ब्रिटिश शासनकाल में हुई थी। आज भारतीय डाक देश की अमूल्य निधि बन चुका है। आज डाक विभाग का दायरा काफी बढ़ चुका है और देशवासियों का इस पर अटूट विश्वास है। मौके पर डाकपाल सतीश कुमार, सीपीसी मैनेजर संतोष कुमार सिंह, पीआरआई आरबी पंडित, विपणन अधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय, प्रदीप कुमार पांडेय, कैसाळ कुमार गुप्ता, देवी प्रसाद चटर्जी, गुलशन कुमार, संदीप पाठक, राम दास कपूर आदि मौजूद रहे। केके उपाध्याय ने कहा कि इस अवसर पर जनता को डाक जीवन बीमा योजना के तहत अधिक बोनस देने का सुनहरा मौका दिया जा रहा है। एक करोड़ से ज्यादा की पॉलिसी की गई है।

बाबानगरी में शाह ने फूंका सियासी बिगुल, हेमंत सरकार पर साधा निशाना, कहा -

झारखंड में देश की सबसे भ्रष्ट सरकार

विशेष संवाददाता

रांची/देवघर : केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक बार फिर झारखंड में 2024 चुनाव को लेकर सियासी बिगुल फूंक दिया। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में अपने दोदिवसीय दौरे के क्रम में श्री शाह ने विजय संकल्प महारैली में झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत में अगर कहीं सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार है तो वो झारखंड में है... कोई मंत्री-मुख्यमंत्री बनता है तो हाथ से करप्शन करता है, लेकिन यहां तो ट्रैक्टर और रेलवे के वैगन से भ्रष्टाचार करना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ये कोई विकास का काम नहीं करना चाहते केवल वैगनों में भर कर रुपया आए, इतना भ्रष्टाचार करना चाहते हैं। हेमंत बाबू, संथाल परगना में आपने विकास का कोई काम नहीं किया, केवल जनता को मूर्ख बनाने का काम किया। जनता अब आपको जान चुकी है और आप से हिसाब मांगती है। उन्होंने कहा- 'झारखंड सरकार द्वारा गरीबों और आदिवासियों के विकास का पैसा दिल्ली के दरबार में पहुंचाया जा रहा है। जनता सब जानती है। हेमंत बाबू चुनाव में आ जाओ, जनता आपको हटाने को तैयार बैठी है। वोट बैंक के लालच में यहां घुसपैठिए घुसाए जा रहे हैं, वो आदिवासियों की जमीन हथिया रहे हैं, बच्चियों पर अत्याचार कर रहे हैं और हेमंत बाबू मुस्कुराते हुए यह सब देख रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। यह क्षेत्र साइबर क्राइम का हब बन गया है। यहां बच्चों को गलत रास्ते पर ले जाकर बड़े-बड़े अपराध हो रहे हैं। भारत सरकार ने साइबर क्राइम से लड़ने के लिए जितनी भी मदद देनी चाही, हेमंत बाबू किसी पर आगे नहीं बढ़े। उन्होंने कहा कि आदिवासी बेटियों की हत्या का जवाब आपसे मांगा जा रहा है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने झारखंड के एक बड़े हिस्से को उग्रवाद और नक्सलियों से त्रस्त इलाके को मुक्त करने का काम किया है। हमने झारखंड में विकास की राह बनाने और नक्सलवादियों से मुक्त करने का काम किया।

तरल यूरिया मामले में आत्मनिर्भरता का बड़ा कदम

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देवघर में विश्व के पहले इफको नैनो यूरिया प्लांट के पांचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। अमित शाह ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की उन्नति व खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इफको के नैनो यूरिया प्लांट शिलान्यास के अवसर पर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, इफको के चेयरमैन दिलीप संघानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। शाह ने कहा कि हमारे देश की भूमि के संरक्षण के लिए तरल यूरिया बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि संरक्षण को प्रमुख मुद्दा बना भूमि संरक्षण के सभी कार्यों को प्राथमिकता दी, चाहे वह प्राकृतिक खेती हो, ऑर्गेनिक खेती हो या नैनो यूरिया के अनुसंधान से लेकर उत्पादन तक की प्रक्रिया को गति देने की बात हो। श्री शाह ने कहा कि नैनो यूरिया की देवघर इकाई बनने से यहां प्रतिवर्ष लगभग 6 करोड़ तरल यूरिया की बोतलों का निर्माण किया जाएगा, जिससे इसके आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 500 ग्राम की यह एक छोटी सी बोतल यूरिया के एक पूरे बैग का विकल्प बनेगी। देश में कई जगहों पर किसान यूरिया के साथ-साथ तरल यूरिया का छिड़काव भी करते हैं, जिससे न केवल फसल को बल्कि भूमि को भी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा तरल यूरिया का छिड़काव करने पर उत्पादन में संभवतः ही वृद्धि होगी।

मध्य विद्यालय खड़का की जमीन का सीमांकन जल्द

सीतामढ़ी : बोखड़ा प्रखंड की खड़का बसंत दक्षिणी पंचायत स्थित मध्य विद्यालय खड़का की जमीन से अतिक्रमण हटने की राह अब आसान होती दिख रही है। वर्षों से जमीन-अतिक्रमण के कारण बाउंड्रीवॉल का निर्माण नहीं हो सका था। इस मामले में अब प्रशासन ने संजीदगी जताई है। ग्रामीणों के विशेष आग्रह पर एसडीओ नवीन कुमार ने बीडीओ रीता कुमारी, मुखिया जितेंद्र झा के साथ उक्त विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सैकड़ों ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में वर्षों से चहारदीवारी का काम लंबित पड़ा हुआ है। चहारदीवारी नहीं रहने के कारण बच्चों के खेलने-कूदने पढ़ाई लिखाई में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार बाउंड्रीवॉल का प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन काम पूरा नहीं हो सका। सभी लोगों ने एसडीओ नवीन कुमार से विद्यालय से सरकारी जमीन से मुख्य सड़क पर मुख्य सड़क पर निकालने का विशेष आग्रह किया। इस बार एसडीओ पुपरी ने स्कूल के अतिक्रमण जमीन को खाली करवाते हुए विद्यालय के निजी जमीन पर बाउंड्री वाल कराने का ग्रामीणों को पूर्ण आश्वासन दिया। कहा कि अतिक्रमण की समस्या जल्द दूर होगी। जिन अतिक्रमणकारियों के पास बसने के लिए जमीन नहीं होगी, उन्हें अन्यत्र बास्कीत पर्चा उपलब्ध कराया जाएगा। मौके पर प्रधानाचार्य शिवशंकर पंडित, फेकन मिश्रा, संजीत कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

मिथिला डायरी

झारखंड के डॉ. आरके हाजरा अब 'भारत विभूषण'

- बगैर सर्जरी स्पाइनल समस्या से हजारों लोगों को दिला चुके हैं निजात
- राज्य के चिकित्सकों ने कहा कि झारखंड के लिए गौरव की बात

संवाददाता

रांची : देश के प्रख्यात एक्यूपंक्चर व स्पाइन चिकित्सक डॉ. राजेंद्र कुमार हाजरा को नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (भारत) की ओर से सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत विभूषण' से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है। इसे लेकर बोकारो सहित पूरे राज्य के आयुष चिकित्सकों ने उन्हें बधाई दी है। आयुष इंटरनेशनल के बोकारो जिला अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के जिला सचिव डॉ. राम नारायण प्रसाद ने कहा कि भारत सरकार के नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा भारत विभूषण की उपाधि से सम्मानित किया जाना झारखंड के समस्त आयुष चिकित्सकों का सम्मान है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हाजरा स्पाइन चिकित्सा के क्षेत्र में पूरे विश्व में जाने जाते हैं।

बिना सर्जरी के स्पाइन की गंभीर से गंभीर बीमारियों की चिकित्सा के लिए डॉ. हाजरा 450 से भी अधिक बार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किये जा चुके हैं। नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा दिया जाने वाला यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत विभूषण' झारखंड में पहली बार किसी को मिलेगा। हाल ही में डॉ. हाजरा का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल हुआ था। उन्हें 'बेस्ट वर्ल्ड क्लास एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट आफ द ईयर 2022' का खिताब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से प्रदान किया गया था।

डॉ. हाजरा कई बड़ी सम्मानित संस्थाओं में उच्च पदों पर भी अपनी योग्यता का लोहा मनवा चुके हैं, जहां इनकी सेवाएं निशुल्क रही हैं कई वर्षों तक इन्होंने भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, पश्चिम बंगाल राज्य के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। वर्तमान में आज भी भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (भारत) के संरक्षक हैं। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने हाथों से हस्ताक्षर कर उन्हें इस पद पर रखा था। डॉ. हाजरा कैपेन अगेंस्ट डेथ पेनेल्टी की भारतीय समिति के सदस्य भी हैं। 2001 में उन्हें तत्कालीन झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, कानून मंत्री झारखंड रामजी लाल सारडा और केन्द्रीय कोयला मंत्री कड़िया मुंडा ने संयुक्त रूप से झारखण्ड रत्न सम्मान से विभूषित किया था। मदर टेरेसा के साथ लगभग सात वर्षों से भी ज्यादा समय तक कृपा फाउंडेशन मुम्बई, कोलकाता जैसे महानगरों में ड्रग एडिक्ट और अल्कोलिक्स के लिए भी कार्य किया। नशा-विमुक्ति तथा कुष्ठरोगियों की सेवा के क्षेत्र में उनके कार्य अनुकरणीय रहे हैं। समाजसेवा के लिए उन्होंने अपना घर तक बेच दिया और रांची में किराए के मकान में रहकर आज भी पूरे उत्साह और जोश के साथ सेवारत हैं। अब तक चार बार उन्हें मानद पीएचडी की उपाधि से इन्हें विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों ने प्रदान कर सम्मानित किया है।

डॉ. हाजरा ने इस उपलब्धि के लिए अपने परमपूज्य सद्गुरुदेव डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली, अपने माता-पिता और मरीजों के साथ-साथ सभी मित्रों के सहयोग को दिया है। डॉ. हाजरा विश्व के एक्यूपंक्चर साइंस के ऐसे पहले चिकित्सक हैं, जो इस पद्धति से एकमात्र स्पाइन से संबंधित रोगों की चिकित्सा करते हैं। देश-विदेश के चिकित्सक इनसे एक्यूपंक्चर साइंस की प्रशिक्षण लेने आते हैं। साथ ही डॉ. हाजरा, महात्मा गांधी ग्लोबल पीस यूनिवर्सिटी के मानद व्याख्याता भी हैं।

शिव-शक्ति का मिलन स्थल है आज्ञा चक्र

यह संसार 'शक्ति और त्र्यंबकं' शिव का क्रीड़ा स्थल है। क्या कारण है कि शिव और शक्ति की कल्पना त्रिनेत्र धारियों के रूप में की गई है? तंत्र में महाकाल की शक्ति को महाकाली कहा गया है और तीसरी नेत्र समय के तीनों आयामों पर शक्ति और शिव के वर्चस्व को बतलाता है।

समय के दो आयामों- भूत काल और वर्तमान काल से हम भलीभांति परिचित हैं, परंतु तीसरा आयाम, जिसे भविष्य काल कहते हैं, वह हमेशा आंख मिचौली खेलता रहता है। इच्छा तो हर मनुष्य की होती है कि उसे आने वाले समय का पूर्ण आभास हो जाए, लेकिन आमतौर पर यह इच्छा यथार्थ में परिवर्तित नहीं हो पाती है, क्योंकि आज्ञा चक्र से हमारा सम्पर्क टूट गया है।

एक से अनेक होने का शिव का संकल्प, शक्ति के साथ सम्मिलित होने के बाद जगत की रचना में अभिव्यक्त होता है, जो ऊर्जा के सिद्धान्त का प्रयोगात्मक रूप है। तंत्र में शिव को स्थितिशील ऊर्जा और शक्ति को गतिशील ऊर्जा माना गया है। विज्ञान के विद्यार्थी जानते हैं कि स्थितिशील ऊर्जा, जिससे जड़ भी कहा गया है, उसे चैतन्य करने के लिए एक गतिशील ऊर्जा को उसमें प्रवाहित करना पड़ता है। तंत्र में इसे कुण्डलिनी जागरण कहा गया है, जिसमें मूलाधार में स्थित कुण्डलिनी शक्ति को जागृत और चैतन्य कर उसका मिलन सहस्रार में स्थापित शिव से कराना है। इस मिलन का आखिरी पड़ाव आज्ञा चक्र का भेदन है, जो मन की संकल्प शक्ति का केन्द्र है।

आज्ञा चक्र की क्षीणता अथवा शिथिलता के कारण हमारा संकल्प भी शक्तिहीन और क्षीण होता है। हम संकल्प करते अवश्य हैं, लेकिन शक्ति के अभाव में उसे साकार नहीं कर पाते। हमारी संकल्प शक्ति तभी सक्रिय हो सकती है, जब हम आज्ञा चक्र पर चित्त को एकाग्र करेंगे और उस पर ध्यान करेंगे। आज्ञा चक्र पर ध्यान केन्द्रित करना मनुष्य में तीसरी आंख को जागृत कर देता है।

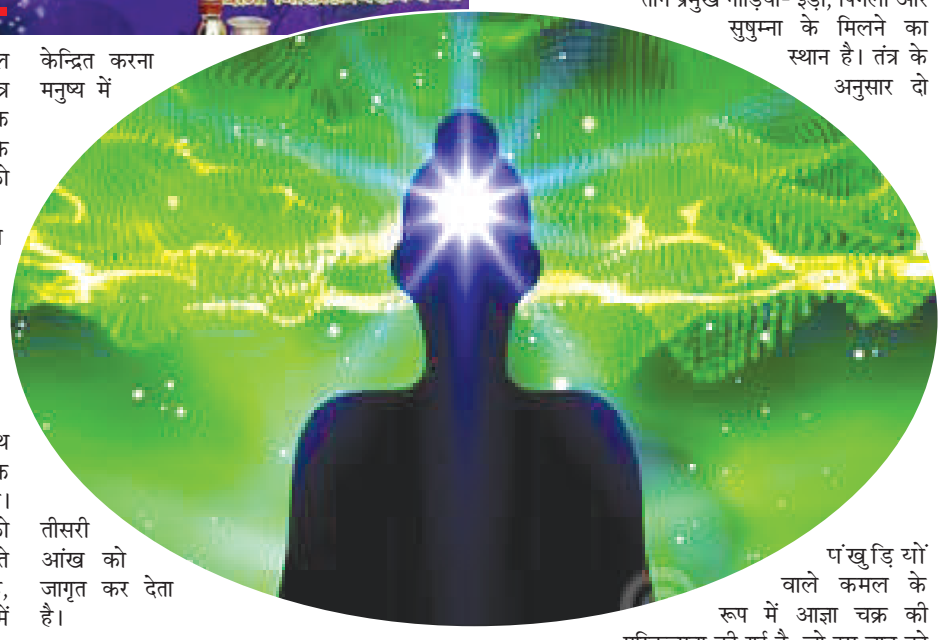

आज्ञा चक्र : सजीवता और संकल्प शक्ति

शिव और शक्ति की ही तरह प्रत्येक मनुष्य का तीसरा नेत्र है, जो सुप्त अवस्था में है। उसका स्थान दोनों भौहों के बीच में आज्ञा चक्र में है, जहां पुरुष तिलक लगाते हैं और स्त्रियां बिंदी लगाती हैं। प्रत्येक धार्मिक अनुष्ठान में तिलक लगाने की परंपरा है, जो ध्यान को आज्ञा चक्र पर केंद्रित करने के लिए अनिवार्य है। इसके उपरांत ही साधक के जीवन में अनुशासन आता है। जिसका आज्ञा चक्र जग जाता है, समझो वह **सेवक से स्वामी** में परिवर्तित हो जाता है।

भारतीय दर्शन में संन्यासियों को स्वामी कहा गया है, क्योंकि उनका आज्ञा चक्र जागृत हो गया है। मनुष्य का जीवन आज्ञा पालन में व्यतीत हो जाता है, परंतु जैसे ही मनुष्य को काल ज्ञान होता है, उसी समय उसका समय पर स्वामित्व स्थापित हो जाता है।

यहां हमें समझना चाहिए कि तीसरी आंख से मतलब हमारे ज्ञान चक्षु से रहा है, नेत्रों से नहीं। जब आप आंखें बंद करके अपनी कल्पना में कुछ देखते (सोचते) हैं तो उन्हें चक्षु कहा जाता है। यह है ध्यान की शुरुआत अथवा पहला चरण।

जब कभी कोई इंद्रियों द्वारा अनुभूत बाहरी जगत से पृथा, कुछ अपनी आत्म अनुभूति करता है, उसे कहते हैं तीसरा नेत्र खुलना। इसे आम बोलचाल की भाषा में अन्तर्मन या आत्मा की आवाज कहा जाता है। असल में यही है हमारे तीसरे नेत्र को पहचानने की शुरुआत। आज्ञा चक्र मनुष्य के शरीर का छठा मूल चक्र है, जो तीन प्रमुख नाड़ियों- इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना के मिलने का स्थान है। तंत्र के अनुसार दो पंखुड़ियों वाले कमल के रूप में आज्ञा चक्र की परिकल्पना की गई है, जो इस बात को दर्शाते हैं कि चेतना के इस स्तर पर सिर्फ आत्मा और परमात्मा है।

स्पष्टता और बुद्धि का केन्द्र **आज्ञा चक्र** ध्यान के प्रति अति संवेदनशील है। जब आप इसके प्रति सजक होते हैं, आपके जीवन में आश्चर्यजनक बदलाव होना शुरू हो जाता है। ध्यान के द्वारा आज्ञा चक्र की क्षीणता और शिथिलता समाप्त होती है और संकल्प में शक्ति का संचार होता है। तब हम जो निर्णय करते हैं, वह निश्चित रूप से पूर्ण होता है।

आज्ञा चक्र जागरण का वैज्ञानिक आधार

विज्ञान मानता है कि आज्ञा चक्र के स्थान पर चावल के दाने के आकार की पीनियल ग्रंथि है, जो आमतौर पर सुप्त रहती है। ऐसा माना जाता है कि हर इंसान इस ग्रंथि का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाता है। जब यह ग्रंथि सक्रिय होती है तो उसे बहुत ज्यादा खुशी होती है। ऐसा लगता है कि साधक को सब कुछ पता चल गया।

ऐसा नहीं है कि काल ज्ञान को प्राप्त करने के लिए आपको संसार छोड़ने की जरूरत है। रोजमर्रा के जीवन में भी आपको त्रिनेत्र जागरण के अनेकों उदाहरण मिल जाएंगे, जैसे मोहल्ले का कोई मामूली सा लड़का अपेक्षा से अधिक सफलता एवं प्रतिष्ठा एकत्र कर सबको आश्चर्यचकित कर देता है। उसके द्वारा लिए गए निर्णय सही होते चले जाते हैं, क्योंकि कहीं ना कहीं उसकी आभास शक्ति, जिसे काल ज्ञान कहा गया है, अन्य लोगों से अधिक विकसित हो जाती है। काल ज्ञान जागृत होने के लिए उचित साधना विधि और गुरु कृपा अनिवार्य है।

आज्ञा चक्र जागरण के लाभ

आज्ञा चक्र के गुण हैं- सत, चित्त और आनन्द। 'ज्ञान नेत्र' भीतर खुलता है और हम आत्मा की वास्तविकता देखते हैं। इसलिए 'तीसरे नेत्र' का प्रयोग किया गया है, जो भगवान शिव का द्योतक है। आज्ञा चक्र 'आंतरिक गुरु' की पीठ (स्थान) है। यह द्योतक है बुद्धि और ज्ञान का, जो सभी कार्यों में अनुभव किया जा सकता है।

सामान्य तौर पर जिस व्यक्ति की ऊर्जा यहां ज्यादा सक्रिय है, तो ऐसा व्यक्ति बौद्धिक रूप से सम्पन्न, संवेदनशील और तेज दिमाग का बन जाता है, लेकिन वह सब कुछ जानने के बावजूद मौन रहता है। इसे ही बौद्धिक सिद्धि कहा जाता है।

आज्ञा चक्र जागरण या त्रिनेत्र साधना आप में वह शक्ति देती है, जिसके द्वारा आप अपने भविष्य को स्वयं संवार सकते हैं। भविष्य हमेशा वर्तमान पर बनता है। जो आप आज करते हैं, उसी पर आपका कल निर्मित करता है। अगर आप सूझ-बूझ से भर कर आज निर्णय लेते हैं तो आपका कल अपने आप संवर जाता है।

आभास शक्ति या आने वाले समय का अंतर्ज्ञान बिना त्रिनेत्र जागरण के संभव नहीं है। ऋषियों और मनीषियों का मानना है कि आज्ञा चक्र ध्यान के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए सभी योगासनों में ध्यान को भूमध्य पर लाने का प्रावधान है।

जिस दिन आपका तीसरा नेत्र जागृत हो जाएगा, आपको आगे का सब कुछ अपने आप स्पष्ट होने लग जाएगा, अंतिम क्षण तक। और साथ ही ज्ञात हो जाएगा कि कहां-कहां कौन सी समस्याएं आएंगी और समय पर आप सावधान हो जाएंगे कि यह समस्या आ रही है और इसका समाधान यह है। फिर यह भय आपके मन में नहीं रहेगा कि न जानें, आगे क्या होगा और यह आपके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य होगा।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मित्रों एवं सम्बंधियों से रिश्ते बनाकर रखें। अकारण यात्रा के योग बनेंगे। धन की हानि हो सकती है। मन में अशांति होगी। सप्ताहांत तक स्थितियों में सुधार।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कार्य एवं पद में हानि हो सकती है। वाणी पर संयम रखें। भाग्य में वृद्धि होगी। घरेलू विवाद से बचें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य में सुधार होगा। नवीन वस्त्रादि का सुख प्राप्त होगा। मन प्रसन्नचित होगा। बन्धुजनों से लाभ होंगे।भाग्य में वृद्धि होगी। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ प्राप्त होंगे। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - रोगमुक्त होंगे। गलत चरित्र के लोगों से दूरी बनाएं। कार्यों के सफलता में देर हो सकती है। धनागम के योग बनेंगे। शत्रुओं पर विजय।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। मन में चंचलता रहेगी। उत्तम भोजन एवं वस्त्र सुख प्राप्त होंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। शरीर में पीड़ा होगी। बवासीर या अपच का शिकार हो सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे।। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन,वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोडा मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यवसाय में हानि हो सकती है। भाग्य साथ नही देंगे। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है।सप्ताह के मध्य में धन एवं सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य लाभ होगा। यश और आनन्द की प्राप्ति होगी। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। वाणिज्य व्यवसाय में लाभ हो सकता है। छोटी पर लाभ दायक यात्रा हो सकती है।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

अपशिष्ट पदार्थों से बनाया इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट, मिला ग्रीनटेक इंटरनेशनल अवार्ड

बोकारो स्टील प्लांट को एक और अहम उपलब्धि, एनवायरनमेंट लीडरशिप श्रेणी में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल ईएचएस अवार्ड एवं लीडिंग डायरेक्टर अवार्ड भी मिला

संवाददाता

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण इस्पात-उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की कड़ी में बोकारो स्टील प्लांट के प्रयासों की सार्थकता एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय पटल पर परिलक्षित हुई है। बोकारो स्टील प्लांट ने एनवायरनमेंट लीडरशिप श्रेणी में प्रतिष्ठित ग्रीनटेक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा पुरस्कार 2023 जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।ग्रीनटेक इंटरनेशनल एनवायरनमेंट, हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड 2023 बोकारो स्टील प्लांट द्वारा सस्टेनेबल गोल प्राप्त करने की दिशा में रेस्पोंसिबल, नवाचारी कार्यों तथा नए इनिशिएटिव के लिए दिया गया है। इस अवार्ड के लिए बीएसएल के महाप्रबन्धक (पर्यावरण), एनपी श्रीवास्तव तथा सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण) नितेश रंजन द्वारा जूरी के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुति दी गई थी। ईको-फ्रेंडली ग्रीन स्टील के उत्पादन में बोकारो स्टील प्लांट की गतिशील पहल और स्टील बनाने के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट पदार्थों से इको-फ्रेंडली उत्पादों को बनाने के प्रयासों से जूरी के सदस्य काफी प्रभावित हुए। जूरी के सदस्यों में पूर्व मुख्य कारखाना निरीक्षक, पूर्व एमडी केनरा बैंक, पूर्व निदेशक ओएनजीसी और अन्य शामिल थे। दी गई प्रस्तुति के आधार पर जूरी के सदस्यों ने बोकारो स्टील प्लांट को एनवायरनमेंट लीडरशिप श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता घोषित किया। हाल ही में पणजी, गोवा में आयोजित ग्रीनटेक इंटरनेशनल ईएचएस समिट के दौरान बीएसएल की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता ने इस पुरस्कार को प्राप्त किया। गौरतलब है कि पिछले तीन वर्षों में पार्टिकुलेट मैटर में 29.33 प्रतिशत की कमी और विशिष्ट अपशिष्ट निर्वहन में 85.09 फीसद की कमी सहित अन्य ऐसे प्रयासों से बोकारो स्टील की प्रणालियाँ व प्रक्रियाएं अधिक पर्यावरण अनुकूल बनी हैं। बीएसएल द्वारा रेल बैलास्ट, फ्लाई-ऐश एलडी स्लैग ईंट, सीमेंट बनाने में स्लैग का उपयोग, स्लैग से पेवर ब्लॉक और अपशिष्ट उत्पादों से पर्यावरण के अनुकूल सॉइल कंडिशनर सहित पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बनाने में अभिनव पहल की गई है। हाल ही में बोकारो स्टील ने बायो-गैस और खाद में कैंटीन के कचरे के रूपांतरण के लिए संयंत्र में एक बायो-डाइजेस्टर प्लांट स्थापित किया है।

ज्यूरी के सदस्यों ने बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश के योगदान का भी मूल्यांकन करते हुए उन्हें लीडिंग डायरेक्टर अवार्ड श्रेणी में विजेता घोषित किया। उल्लेखनीय है कि बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश के नेतृत्व में बीएसएल ने वेस्ट को वेल्थ में बदलने का अभियान चलाया है और पिछले कुछ वर्षों में संयंत्र के अंदर और अन्य उद्योगों में अपशिष्ट का उपयोग और इनपुट सामग्री के रूप में इसके उपयोग से लगभग 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है।

भारत द्वारा सीओपी 26 में दिए गए कमिटमेंट वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा के 500 जीडब्ल्यूके महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बोकारो स्टील ने पर्यावरण अनुकूल अत्यधिक मिश्र धातु जंग प्रतिरोधी सेलकोर ग्रेड भी तैयार किया है, जो सौर ऊर्जा उद्योग के लिए सौर पैनलों के निर्माण के लिए चार गुना बेहतर मानी जाती है। अभी हाल ही में बीएसएल ने मौसम प्रतिरोधी स्टील आईएस 11587 के लिए लाइसेंस भी प्राप्त किया है, जो एक आयात विकल्प और मेक इन इंडिया अभियान के रूप में कॉर्टन स्टील के लिए एक स्वदेशी समकक्ष ग्रेड है।

क्यूआर कोड से अब होगी सामग्रियों की पहचान

डिजिटाइजेशन की दिशा में अग्रसर बोकारो स्टील प्लांट ने केंद्रीय भण्डार के एम डब्ल्यू-26 डिपो में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की पहचान करने के लिए क्यूआर (क्विक रिस्पांस) कोड प्रणाली लागू की गई है। इसका उद्घाटन शनिवार को बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने किया। इस अवसर पर सीईओ (बीपीएससीएल) केके ठाकुर, अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, सीआर महापात्रा व एस. रंगानी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एवं अतिरिक्त प्रभार अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) अमिताभ श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (माइंस) जे. दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सामग्री प्रबंधन विभाग के कर्मी उपस्थित थे। केंद्रीय भण्डार के एम डब्ल्यू-26 डिपो में क्यू आर कोड के लांच हो जाने से संयंत्र के विभाग अपने उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के सामग्रियों की पहचान आसानी से कर सकेंगे, जिससे इन्वेंटरी में भी कमी आयेगी। गौरतलब है कि समस्त सेल में सामग्रियों की पहचान हेतु क्यूआर कोड के इस्तेमाल की पहल सर्वप्रथम बोकारो स्टील प्लांट के सामग्री प्रबंधन प्रभाग द्वारा की गई है। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए डीआई श्री प्रकाश ने सामग्री प्रबंधन विभाग की इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामना दी तथा संयंत्र के सभी भंडारों में इस प्रणाली को लागू करने का संदेश दिया।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
भिन्न वनों में भिन्न जीव हैं
इसमें कुछ भी ना अजीब है
जैसे जंगल, वैसे प्राणी
सकल धरा की यही कहानी
वनस्पति और प्राणि-जगत हैं
पूरक एक-दूसरे के साभार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
जंगल अद्भुत पूर्ण प्रणाली
जगह कहीं ना कोई खाली
पारिस्थितिक-तंत्र जो समझें
तो हम इस जीवन को समझें
देख वनों को समझें हम-
सहयोग, त्याग ही हैं जीवन-आधार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल।
(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

Affidavit

I, **TANYA BHARDWAJ**, D/o- Manoj Kumar Dubey, R/o- Qr. No.- 89, Sector- I/C, Near St. School, P. O. and P. S. - B. S. City, Dist. - Bokaro (Jharkhand) declare before The Notary Public, Bokaro (vide Affidavit No. - 987/06.02.23) that my actual and correct name is **TANYA BHARDWAJ** which is mentioned in my Aadhar Card, PAN Card, Bank passbook and relevant records. In my Passport and educational certificates, my name has been mentioned as **TANYA**. **TANYA BHARDWAJ** and **TANYA** both the names are of one and same person, i.e. myself. I shall be known as **TANYA BHARDWAJ** in all concerned.

Affidavit

I, **VISHAL SINGH**, S/o Sri Anjani Kumar Singh, R/o- 109, C Block, Awadhpuram Apartment Bagraibera, P.O. & P. S.- Sector- 12, Near JAP 4, Sector-12, Marafari Colony, Dist.- Bokaro declare before The Notary Public, Bokaro (vide affidavit no. 2737/08.10.22) that my name has been mentioned as **VISHAL** in my entire educational and other documents. I want to add title **SINGH** in my name **VISHAL**. I shall be known as **VISHAL SINGH** permanently for all tne needful purposes. **VISHAL** and **VISHAL SINGH** is one and same person, i.e. myself.

पेज- एक का शेष

एक्सीडेंट होते ही...

मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड रहते हैं। कंप्यूटर कोडिंग की मदद से उक्त डिवाइस में सभी संबंधित डाटा को फीड किया जाता है। रूपेश ने बताया कि इसमें खास तरह के सेंसर का इस्तेमाल किया गया है, जो कार की स्पीड और झटके के दबाव का पता लगाता है। सुरक्षित सीमा से अधिक रफ्तार होने पर यह डिवाइस ड्राइवर को अलर्ट भी करता है। वहीं, एक्सीडेंट होने पर वाहन की गति और गाड़ी पर झटके से अचानक पड़ने वाले दबाव का पता लगाकर सेंसर एमसीयू को संदेश भेजता है, जहां से संबंधित नंबरों पर फोन और एसएमएस चला जाता है। रूपेश ने बताया कि लगभग दो वर्ष पहले उसके पिता रविशंकर कुमार के एक पूर्व सैनिक मित्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। अगर सही समय पर एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के बाद ही उसे यह आइडिया सूझा कि कुछ ऐसा उपकरण वह बनाए, जिससे सड़क हादसे में घायल लोगों की जान समय रहते बचाई जा सके। उसने इस बारे में अपने विद्यालय में संबंधित गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी से बात की और उनकी मदद से इस प्रोजेक्ट की ओर काम आगे बढ़ाया। इसे मूर्त रूप देने में उसे लगभग एक महीने का समय लगा तथा लगभग 1200 रुपए का खर्च आया। इस प्रोजेक्ट के लिए उसने सभी सामान आनलाइन जुगाड़ किए हैं। रूपेश का कहना है कि जिस तरह का सेफ्टी डिवाइस उसने बनाया है, अगर कार निर्माता कंपनियां पहल करें, तो वह अपने आइडिया को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतार सकता है। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि सभी वाहन चालकों का डाटा एक जगह सुरक्षित रह पाएगा। साथ ही, सड़क हादसों के समय मिलने वाले लोकेशन के आधार पर संबंधित इलाके के एक्सीडेंट जोन की भी जानकारी मिल सकेगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जे.बी.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा**, फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

अमृतकाल का अमृत बजट

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : देश आजादी का अमृत काल बना रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 का केंद्रीय बजट संसद के पटल पर रखा। अमृत काल का अमृत बजट लोकसभा में पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है, जो उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रही है। बजट की खासियत यह रही कि इस बार सभी वर्ग के लोगों का ध्यान रखा गया और सबसे बड़ी राहत टैक्स में मिली। वेतनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए वित्त मंत्री ने आयकर छूट की सीमा बढ़ाने का ऐलान किया, जिसकी चौतरफा सराहना हो रही है। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में मौजूदा आयकर स्लैब को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दिया है। इस घोषणा के साथ नई टैक्स व्यवस्था के तहत मौजूदा टैक्स स्लैब को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दिया गया है। संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए संशोधित राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.4 फीसदी रहने और वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वित्त मंत्री ने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष में हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर सात फीसदी रहने का अनुमान है, जो विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है।

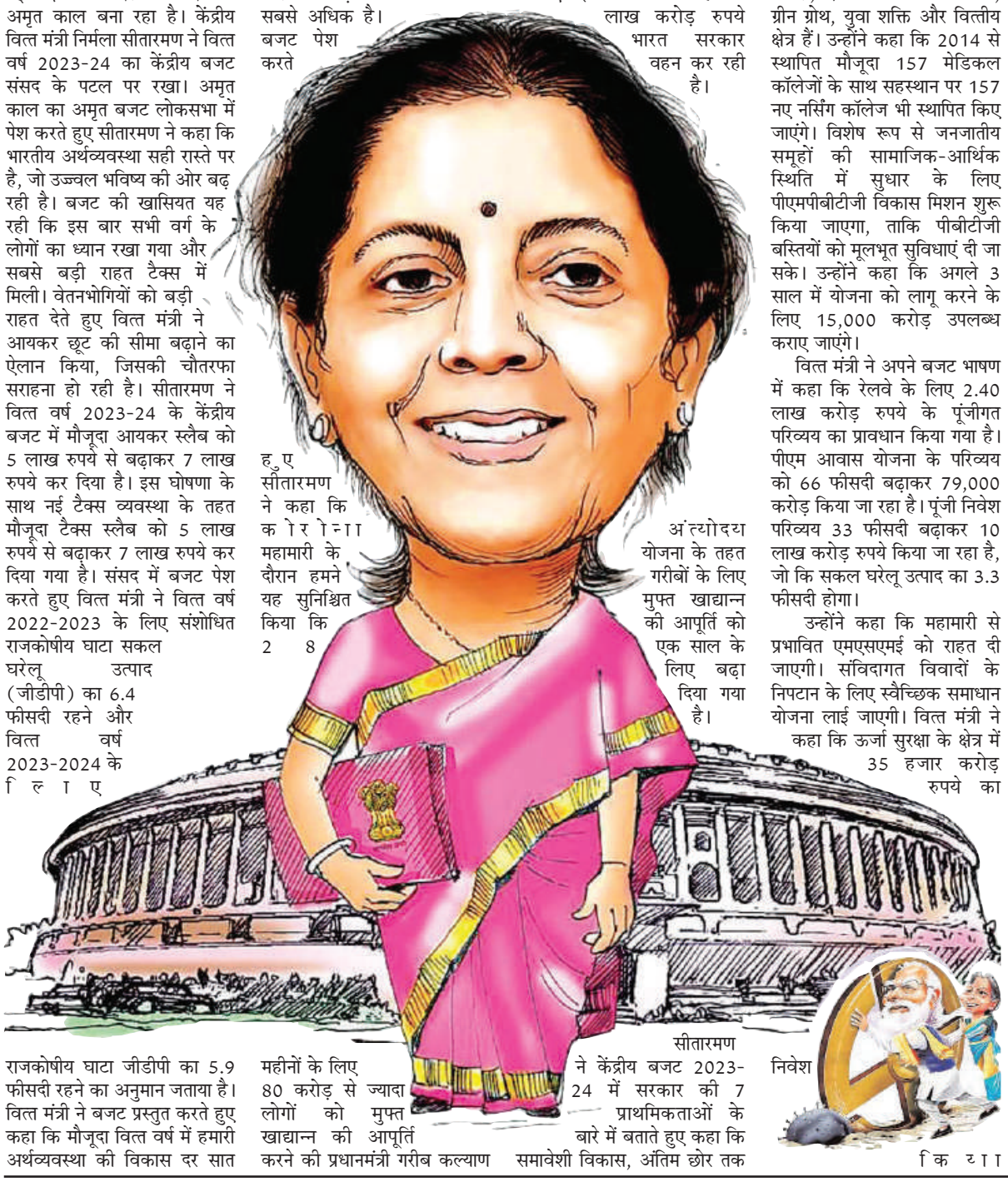

बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान हमने यह सुनिश्चित किया कि 28 महीनों के लिए 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति करने की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अंत्योदय योजना के तहत कोई भी भूखा न सोए। इस योजना के तहत 2 लाख करोड़ रुपये भारत सरकार वहन कर रही है। अंत्योदय योजना के तहत गरीबों के लिए मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2023-24 में सरकार की 7 प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए कहा कि समावेशी विकास, अंतिम छोर तक पहुंचाना, बुनियादी ढांचा और निवेश, क्षमता को उजागर करना, ग्रीन ग्रोथ, युवा शक्ति और वित्तीय क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से स्थापित मौजूदा 157 मेडिकल कॉलेजों के साथ सहस्थान पर 157 नए नर्सिंग कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। विशेष रूप से जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए पीएमपीबीटीजी विकास मिशन शुरू किया जाएगा, ताकि पीबीटीजी बस्तियों को मूलभूत सुविधाएं दी जा सके। उन्होंने कहा कि अगले 3 साल में योजना को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ उपलब्ध कराए जाएंगे।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है। पीएम आवास योजना के परिव्यय को 66 फीसदी बढ़ाकर 79,000 करोड़ किया जा रहा है। पूंजी निवेश परिव्यय 33 फीसदी बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये किया जा रहा है, जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 फीसदी होगा।

उन्होंने कहा कि महामारी से प्रभावित एमएसएमई को राहत दी जाएगी। संविदागत विवादों के निपटान के लिए स्वैच्छिक समाधान योजना लाई जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में 35 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 20,700 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए पीएम प्रणाम योजना की शुरुआत की जाएगी। गोबर्धन स्कीम के तहत 500 नए संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। वहीं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के चौथे चरण की शुरुआत की जाएगी। युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए कौशल प्रदान करने के लिए 30 स्किल इंडिया नेशनल सेक्टर खोले जाएंगे। 740 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए अगले 3 वर्षों में 38,000 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के जीवन की बेहतर गुणवत्ता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि किसानों का हित केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। इस वित्त वर्ष में सरकार 20 लाख करोड़ रुपये तक का ऋण किसानों को उपलब्ध कराने जा रही है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि किसानों के लिए उनकी जरूरत से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए किसान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा।

केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप बढ़ाने पर जोर दे रही है। अधिक से अधिक स्टार्टअप कृषि क्षेत्र में बढ़े इसके लिए डिजिटल एक्सीलेटर फंड बनेगा। इस फंड को कृषि निधि नाम से जाना जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार मोटे अनाजों का उत्पादन और खपत बढ़ाना चाहती है। इस लिए सरकार ''श्री अन्न योजना'' ला रही है। इस योजना के माध्यम से मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने इस दौरान मिलेट्स संस्थान बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि देश में बागवानी फसलों को और बढ़ाया जाए। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी।

वित्त मंत्री ने देश में बागवानी क्षेत्र के विकास के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2,200 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है साथ ही मछली पालन के लिए 6000 करोड़ रुपये के निवेश की बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है।

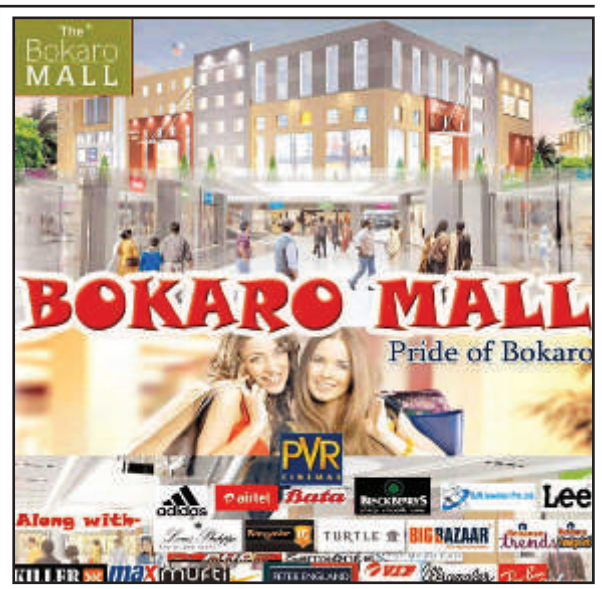

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-
प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रातः 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
जर्मन होमियो प्वाइंट, एफ/9, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बीएस सिटी
(सोमवार से शनिवारः संध्या 7.00-8.30), रविवार (संध्या 5.00-8.30)
Mob.- 9431162319 (Consultation after appointment only).